इब्सा शिखर बैठक के पूर्ण अधिवेशन में प्रधानमंत्री का वक्तव्य

ब्रजीलिया
13 सितम्बर, 2006

मित्रों के साथ के साथ होना हमेशा खुशी की बात होती है। हमारे लिए निस्संदेह यह सौभाग्य की बात है कि ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका हमारे घनिष्ठतम मित्र हैं। इसलिए पहली इब्सा शिखर बैठक के लिए इन दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के साथ यहां आकर मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत प्रसन्न हूँ।

राष्ट्रपति लूला, इस हरे-भरे सुन्दर आकर्षक शहर ब्रजीलिया में हमारा स्वागत करने के लिए हम आपके आभारी हैं। हम आपके आतिथ्य के लिए और जो शानदार प्रबंध किए गए हैं, उनके लिए भी आपका धन्यवाद करते हैं।

इस ऐतिहासिक शिखर बैठक का आयोजन हमारे तीन साल पुराने प्रयोग की सफलता की पुष्टि करता है और यह, कि हमारा जो एक समान दृष्टिकोण है, वह हमारे तीनों देशों को एकजुट करता है।

इब्सा जैसा उदाहरण कहीं नहीं मिलता। तीन देश, जो तीन अलग-अलग महाद्वीपों के हैं, समान चिन्ता वाले अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर परामर्श और समन्वय के लिए इकट्ठे होते हैं। ये उन उपायों में भी सहयोग करते हैं, जिनसे विकास की चुनौतियों का सामना करने के उनके अपने-अपने राष्ट्रीय प्रयासों को भी बल मिलता है।

भौगोलिक दूरियां, जो हमारे देशों को अलग करती हैं, उसके बावजूद हमारे बीच बहुत कुछ एक समान है। हम तीनों विकासशील देश हैं। हम तीनों बहु-समुदायी और बहु-संस्कृति वाले देश हैं। अपने-अपने महाद्वीपों में हम सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश हैं और ये मूल्य हमें अद्‌भुत तरीके से एक दूसरे के साथ जोड़ते हैं। हमारे तीनों देश ऐसे आर्थिक विकास के प्रति वचनबद्ध हैं, जिसमें सामाजिक समता और समग्रता है। इस परस्पर निर्भरता वाले विश्व में, जिसमें हम रहते हैं, अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की हमसे जिस भूमिका की अपेक्षा है, हम उसकी जिम्मेदारी भी स्वीकार करते हैं। ये जो साझी बातें हैं, ये हमारे प्रयासों की सफलता के लिए आधार प्रदान करती है।

इब्सा संगठन से विश्व समुदाय को क्या लाभ मिलता है, यह उस नेतृत्व से स्पष्ट है जो हमारे इन देशों ने विश्व व्यापार संगठन की व्यापार वार्ताओं में जी-20 को प्रदान किया है। हालांकि दोहा दौर की बातचीत की सफलता अभी दूर है, लेकिन हमें अपनी उस भूमिका से संतोष है, जो हमने जटिल व्यापार मुद्दों पर मेलजोल को बढ़ावा देने में निभाई है।

शिखर बैठक के अन्त में जो संयुक्त घोषणा जारी की जाएगी, वह एक प्रभावी दस्तावेज है, जो समान हित के व्यापक राजनीतिक और आर्थिक तथा क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर

हमारे साझे दृष्टिकोण को परिलक्षित करता है। यह सहयोग का एक साहसिक और विस्तृत एजेंडा है और यदि ईमानदारी से लागू किया गया तो इस संगठन को ऐसे स्थान पर ला खड़ा करेगा, जहां इसकी आवाज को अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में कारगर ढंग से सुना जाएगा। यह ऊर्जा, सतत विकास, व्यापार, परिवहन और विज्ञान तथा टैक्नोलॉजी जैसे सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संस्थागत और व्यापार सम्पर्कों को भी विकसित करेगा, जिससे हमारे त्रिपक्षीय सहयोग में नई गति और सुदृढता आएगी। जहां तक परमाणु ऊर्जा की बात है, मैं इस बात की सराहना करता हूँ कि इब्सा ने अन्तर्राष्ट्रीय असैनिक ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रगतिशील दृष्टिकोण का समर्थन किया है।

यह हमने निश्चित रूप से सही फैसला किया है कि हमारे त्रिपक्षीय सहयोग के लाभ केवल हमारे तीनों देशों तक सीमित न रहें। गरीबी और भुखमरी मिटाने की इब्सा संगठन की व्यवस्था विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का शानदार प्रयास है । तीन प्रमुख विकासशील देशों के लिए इकट्ठे होना और अन्य विकासशील देशों में परियोजनाएं शुरू करना अद्‌भुत बात है।

इब्सा की सफलता बहुत ही स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित कर देगी कि विकासशील देशों के बीच सहयोग संभव है और यह सहयोग केवल प्रशिक्षण और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान जैसे परम्परागत क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं।

इब्सा के इस विचार को हमें तीन सरकारों की एक परियोजना से आगे बढ़ाकर वहां ले जाना है, जहां हमारे तीनों देशों के लोग और नागरिक समाज और अधिक घनिष्ठता के साथ एक दूसरे के नजदीक आएं। इसके लिए लोगों के बीच आपसी सम्पर्क, सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदानों तथा व्यापार और पर्यटन के संवर्द्धन पर ज्यादा जोर देना होगा

हमारी यह सोच एक वास्तविकता बने, इसके लिए हमें एक दूसरे के साथ जुड़ने के महत्वपूर्ण प्रश्न पर ध्यान देना होगा । व्यापार का विकास और लोगों के बीच सम्पर्क तभी अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचेगे, जब हमारे तीनों देशों के बीच सामान और लोगों के आने-जाने की आसानी से सुविधा हो। हमने विमान सेवाओं के बारे में एक सहमति पत्र और समुद्री परिवहन के बारे में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों को मूर्त रूप देना होगा। हमें उन तरीकों के बारे में सोचना होगा जिससे हमारे तीनों देशों के बीच सम्पर्कों के परिणामस्वरूप भारत एशिया की मुख्य धुरी बन जाए। ब्राजील लेटिन अमरीका का प्रवेश द्वार बन जाए और दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीका का आगे बढ़ने का रास्ता बन जाए।

अन्त में, मैं हमारे तीनों देशों के लिए कहना चाहूँगा कि इब्सा में निवेश करने का अपना महत्व है और यह एक सपना है जिसे हमें मिलकर पूरा करने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। आइए हम वह करें जो, ब्रजीलिया के इस सुन्दर नगर का निर्माण करने वाले राष्ट्रपति जुसेलिनो कुबित्सचैक ने कहा था- **50 साल की प्रगति 5 में।**

****